शाजापुर-एमपी में सोलर प्लांट की सौगात, CM शिवराज सिंह का संबोधन LIVE..(दिनांक 25-11-2021)

आज मैं बिजली की बात करूँ इसके पहले खुशखबरी आपको सुनाना चाहता हूँ, मेरी बेटियाँ बड़ी संख्या में बैठी है, मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से बेटी बचाओ अभियान चलाया और हमने लाडली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश में बनाई। इन योजनाओं का चमत्कार है कि मध्यप्रदेश में जहाँ 20-16 में 1000 बेटों पर 905 बेटियाँ पैदा होती थी, आज 2020-21 में 1000 बेटों पर 956 बेटियां पैदा हो रही है। अब बेटियाँ आ रही है। मेरे बहनों और भाइयों बेटियों को आने दो, बेटी है तो ही कल है, बेटी के बिना न तो ये दुनिया चल सकती और न सृष्टि चल सकती है और इन बेटियों का मामा शिवराज सिंह चौहान आपको आश्वस्त करता है बेटियों को पढ़ाने-लिखाने और आगे बढ़ाने में ये मामा कोई कसर नहीं छोड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी ।

बेटी पैदा हो तो लाडली लक्ष्मी स्कूल जाए, किताबें नि:शुल्क, दूसरे गाँव जाए तो साइकिल, 12वीं में प्रथम श्रेणी में पास हो जाए तो गाँव की बेटी कहलाए, कॉलेज की पढ़ाई के लिए अलग से पैसा पाए और अब तो लाडली लक्ष्मी बेटियाँ अगर कॉलेज में एडमिशन लेंगी तो 25000 रुपए और अलग से उनको दिए जाएंगे । कोरोना संकट काल था, इसलिए बेटियों की शादी का कार्यक्रम कन्यादान बंद हो गया था, लेकिन अब कन्यादान भी धूमधाम से भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर से करवाएगी, बेटी के जन्म लेने से लेकर विवाह और उसके बाद भी अंतिम साँस लेने तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार बेटियों के साथ खड़ी है । मैं मध्य प्रदेश वासियों को प्रणाम करता हूँ कि अब बेटियों की संख्या बढ़ रही है।

शाजापुर जिले में एक नवाचार और किया है । प्रधानमंत्री आवास योजना में जो मकान बने हैं वह मकान भी बेटियों के नाम पर किए गए हैं, मैं इस पहल का भी स्वागत करता हूँ । इसलिए मध्यप्रदेश की बेटियों के लिए एक बार जोरदार तालियाँ बजाए,बेटी पढ़ती रहे, बेटी बढ़ती रहे, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि बेटों के लिए कुछ नहीं करेगा मामा, बेटों की भी चिंता करेंगे । मैं आगे बोलूं इसके पहले जरा हाथ उठाकर बताओ कोविड वैक्सीन के दोनों डोज किस-किस ने लगवाए हैं।

मेरे बहनों और भाइयों प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद से उनके नेतृत्व में अब कोरोना पर हमने कंट्रोल प्राप्त कर लिया है । इसलिए मैंने सारे प्रतिबंध जितने लगे थे कोरोना पर सब हटा दिए हैं, खूब आओ-जाओ, शादी हो, शहनाइयाँ बजे, मेले भरें, सब चीजों की छूट है, लेकिन शर्त एक ही है दोनों टीके सब लगवाएंगे, अभी अभियान चल रहा है, दूसरा डोज हमारा 57% लोगों को लगा है, अभी भी बहुत से लोग बचे हैं । इसलिए मेरी अपील है प्रधानमंत्री जी वैक्सीन फ्री में दे रहे हैं । यह टीका नहीं है जिंदगी का डोज है, जब देने वाले फ्री में दे रहे हैं तो लगवाने में हम को क्या तकलीफ है । बहनों और भाइयों शाजापुर जिला संकल्प ले दोनों हाथ ऊपर उठाकर यह संकल्प ले कि दिसंबर में सबको सेकंड डोज़ लगवा दिया जाएगा । आप सब भी उसमें मदद करोगे, बोलो लगवा लेंगे सब, क्योंकि यह जरूरी है ।

अब बिजली की बात करें अभी केन्द्रीय मंत्री श्री आर.के सिंह साहब बता रहे थे । याद करो जरा कांग्रेस की सरकार बच्चों ने तो देखी ही नहीं, उन्होंने तो भाजपा की ही सरकार देखी मामा की, अरे एक जमाना था जब बिजली आती कम थी और जाती ज्यादा थी । पता ही नहीं रहता था बिजली का । उस समय नारे लगते थे जब तक रहेंगे दिग्गी जलती रहेगी डिब्बी, अब आजकल के बच्चों ने तो डिब्बी देखी ही नहीं है, ये 2003 का हाल था और तब बिजली हमारे पास 5000 मेगा वाट भी नहीं होती थी । मैं आज आर.के सिंह साहब को बताना चाहता हूँ 22 हजार मेगावाट बिजली की उपलब्धता आज मध्यप्रदेश की धरती पर हमने करके दिखाइए है । हमने उसके लिए अपने पॉवर प्लांट भी लगाए, प्राइवेट सेक्टर के पावर प्लांट भी आए, हमने कोयले से भी बिजली बनाई, हमने पानी से भी बिजली बनाई, हमने हवा से भी बिजली बनाई और हमने सूरज से भी बिजली बनाई । हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि सूरज से बिजली बनाओं । आज मैं आपके सामने निवेदन करना चाहता हूँ आज का कार्यक्रम साधारण कार्यक्रम नहीं है, 1500 मेगा वाट सौर ऊर्जा के प्लांट का आज भूमि-पूजन हुआ है, 1500 मेगावाट सौर ऊर्जा मतलब सूरज से बिजली बनेगी, सूरज ऊर्जा का भंडार है । इतनी बड़ी संख्या में बच्चे बैठे हैं बताओ ऊर्जा के बिना हमारा काम चल सकता है क्या, जोर से बताओ चल सकता है क्या और ऊर्जा का सबसे बड़ा सोत्र कोई है तो वह है सूरज । आज मैं अपने बहनों और भाइयों को यह बताना चाहता हूँ कि कोयले से भी बिजली बनती है, लेकिन जब कोयले से बिजली बनाते हैं तो उससे पर्यावरण बिगड़ता है, पर्यावरण प्रदूषित होता है । आप जानते हैं जब कोयले से हम बिजली बनाते हैं तो कार्बन गैसों का उत्सर्जन भी होता है और उसके कारण धीरे-धीरे पर्यावरण बिगड़ता चला जा रहा । आज दुनिया के सामने संकट है, मैं आपसे पूछना चाहता हूँ आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती सुरक्षित रहना चाहिए कि नहीं । जोर से बोलो रहना चाहिए कि नहीं, लेकिन धरती की सतह का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और वैज्ञानिक यह बता रहे हैं कि 2050 तक 2 डिग्री और बढ़ जाएगा, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र में पानी बढ़ रहा है, असमय बारिश हो रही है और कई तरह के संकट आ रहे हैं । इसलिए बिजली तो चाहिए लेकिन बिजली हमको ऐसी चाहिए जो पर्यावरण को भी बचाने में हमें सहायक हो। इसलिए मैं यह बिल्कुल नहीं कह रहा के हमको कोयले की बिजली नहीं बनाएंगे, अभी कोयले से बनाना हम जारी रखेंगे, लेकिन कोयले के साथ अक्षय ऊर्जा के भंडार सूरज से हम अधिकतम बिजली बनाने की कोशिश करेंगे । जब सूर्य देवता से हम बिजली बनाते हैं तो पर्यावरण नहीं बिगड़ता, बिजली मिलती है और पर्यावरण भी खराब नहीं होता और बिजली भी जो हमें सूरज से मिलती है उसे अक्षय ऊर्जा कहते हैं । सोलर पैनल बिछाकर सूरज की जो ऊर्जा है उसे हम बिजली बनाने का काम कर करते हैं । पहले बिजली बहुत महँगी आती थी, बिजली के रेट हुआ करते थे 15-16 रुपया प्रति यूनिट, लेकिन आज मुझे कहते हुए खुशी है के कोयले की बिजली से भी सस्ती अगर कोई बिजली बनती है तो वह बिजली सूरज की बिजली है । हमारे सूर्य देवता से बिजली बनती है, इसलिए मध्यप्रदेश में हमने अनेकों अभियान चलाएं नीमच में ।

ओम प्रकाश जी यहां बैठे हैं, जब प्रधानमंत्री जी हमारे मुख्यमंत्री गुजरात के हुआ करते थे, 135 मेगा वाट का सोलर पॉवर प्लांट का हमने लोकार्पण करवाया। हमने रीवा में 750 मेगा वाट का सोलर पावर प्लांट लगाया और आज मुझे कहते हुए खुशी है आर.के. सिंह साहब यह दिल्ली की मेट्रो की बिजली हम मध्य प्रदेश से भिजवा रहे हैं । रीवा की बिजली दिल्ली की मेट्रो चला रही है । एक नहीं अनेकों सोलर पावर प्लांट हमने लगाए और

मुझे बताते हुए खुशी है यह पहले 500 मेगावाट बिजली 2012 तक हम बनाते थे, आज हम 5300 मेगा वाट से ज्यादा बिजली सूरज से बना रहे हैं और आगे भी अब हमारी कोशिश है कि हम ज्यादा से ज्यादा बिजली सूरज से बनाएँ । इसलिए यह तीनों हमारे जो सोलर पावर प्लांट है शाजापुर का, आगर का, नीमच का, ये 500-500 मेगावाट के होंगे । हम केवल धरती पर प्लेटें सोलर पैनल बना करके बिजली नहीं बना रहे। मैं आज आपको यह बताना चाहता हूँ के मध्य प्रदेश ऐसा राज्य है कि हमने तय किया है कि अपने ओम्कारेश्वर बांध में पानी ज्यादा ऊपर नीचे नहीं होता स्थिर रहता है, थोड़ा बहुत कम और ज्यादा होता है। उसको नियंत्रित करके रखने की क्षमता हम में है और इसलिए पानी पर सोलर पैनल बिछाकर ओमकारेश्वर बांध के पानी पर हम बिजली बनाएंगे, जमीन भी नहीं जाएगी और पानी भाप बन कर भी नहीं उड़ेगा । हम पानी भी बचाएंगे, हम जमीन भी बचाएंगे और हम बिजली भी बनाकर दिखाएंगे । बताओ अच्छा है कि नहीं । अब हम पानी पर बिजली बनाने की तैयारी कर रहे हैं, उसकी तैयारी भी हमारी तेजी से जारी हैं ।

अब एक समस्या और आती है किसान मांग करते हैं हम को रात में नहीं दिन में ही बिजली दो, अब बड़ी दिक्कत, मैं जानता हूँ लेकिन दिक्कत यह है बिजली का सिस्टम हमारा ऐसा है के सबको दिन में सब को रात में नहीं दे सकते । इसलिए 24 घंटे सिस्टम को चलाना पड़ता है । बिजली ऐसी चीज है जो स्टोर करके रखी नहीं जा सकती है । लेकिन हम छतरपुर में जो सोलर प्लांट बना रहे हैं, एक नई तकनीकी आई है बिजली को हम स्टोर करके भी रख सकेंगे और जब जरूरत पड़ेगी तो उसका उपयोग भी कर सकेंगे । धीरे-धीरे हम बिजली के स्टोर की क्षमता भी बढ़ाकर टेक्नोलॉजी के माध्यम से उस दिशा में भी काम करेंगे । हमारा छतरपुर, हमारा मुरैना, अब अनेकों स्थानों पर हम सोलर पावर प्लांट लगाने वाले हैं । क्योंकि हमारे प्रिय प्रधानमंत्री जी जो दुनिया का मार्गदर्शन कर रहे हैं पर्यावरण को बचाने में लगें हैं । उन्होंने भारत में 2030 तक 500 गीगा वाट नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता विकसित कर पंचामृत का एक अमृत दिया है, 2030 तक भारत नवकरणीय ऊर्जा के माध्यम से 50% ऊर्जा की आवश्यकता पूरी करेगा । अपने प्रधानमंत्री जी ने जो संकल्प लिया और पंचामृत दुनिया को दिया है, आर.के. सिंह साहब मैं अपनी इस टीम के भरोसे आपको विश्वास दिलाता हूँ मध्य प्रदेश अपनी 50% बिजली की आवश्यकता की पूर्ति सोलर एनर्जी और नवकरणीय ऊर्जा के माध्यम से करेगा । प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 1 मिलियन टन कटौती करने का जो संकल्प लिया हैं, उस लक्ष्य को उसी अनुपात में मध्य प्रदेश पूरा करने का संकल्प पूरा करेगा । वर्ष 2030 तक भारत अपनी अर्थव्यवस्था के कार्बन उत्सर्जन में 45 परसेंट की कमी लाएगा, मध्यप्रदेश अपने दायित्व को निभाएगा और 2070 तक प्रधानमंत्री जी ने कहा है शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को भारत प्राप्त कर लेगा, उसके पहले मध्य प्रदेश इस लक्ष्य को प्राप्त करेगा । मैं आपको वचन देता हूं ।

आर.के. सिंह साहब आपको बता रहे थे कि हर गाँव, हर शहर, हर घर तक बिजली पहुँचाने का काम बिजली की कमी न रहे इसका भी हमने प्रबंध करने का काम किया हैं, लेकिन एक निवेदन आज मैं करना चाहता हूँ देखो भैया किसान भाई भी और मेरे गरीब भाई भी और मेरे गरीब बेटा-बेटी भी, अभी जो बिजली हम आपको देते हैं, वह बिजली हम सस्ती देते हैं और आज आपको मैं कहना चाहता हूँ कि 21 हजार करोड़ रूपया बिजली की सब्सिडी पर मध्य प्रदेश सरकार अपने बजट से खर्चा करती है, मतलब हम अपने खजाने से 21 हजार करोड़ दे रहे हैं । कोयला खरीदना तन्खा बाँटना , बाकी इंतजाम करना, इसमें इतना खर्चा करते हैं तब बिजली आपको

सस्ती दे पाते हैं । हम 100 रूपया में गरीबों को बिजली देंते हैं । बताओ कहीं बनती है 100 रूपया में लेकिन उसमें भी कई बार वह 100 रूपया भी नहीं आते । आप बताओ जो तय हैं वह मिलना चाहिए कि नही सरकार को, अरे जोर से बताओ मिलना चाहिए कि नहीं, अब 21 हजार करोड़ की सब्सिडी तो भैया जितना बिल है वह तो दे । मैं एक प्रार्थना कर रहा हूँ और प्रार्थना कर रहा हूँ देखो भैया बहुत सी बिजली ऐसी है जो हम फालतू जलाते हैं, घर में जरूरत है एक बल्ब की ,पता चला ट्यूबलाइट भी जल रही है, बल्ब भी जल रहा है, हीटर पर चाय भी बन रही है, अनावश्यक रूप से बिजली जलती है, तो हमें क्या लगता है कि अपना क्या जाता है यार वो तो सरकार की बिजली है । आज मैं बता रहा हूँ आपका ही जाता है, ये जो 21 हजार करोड़ रूपया जाता है ये कोई की जेब से नहीं जाता, ये आपके खून-पसीने की कमाई का पैसा है । मेरे बहनों और भाइयों ये 21 हजार करोड़ आपके ही तो है, तो फालतू बिजली खर्चा होती है उसमें सरकार को सब्सिडी में पैसा देना पड़ता है, बिजली का खर्चा निकालना पड़ता है इसलिए अगर फालतू पैसा जाता है तो किसका जाता है । अपना पैसा फालतू जाना चाहिए क्या, ऐसे नहीं जोर से बताओ फालतू जाना चाहिए क्या और इसीलिए आज मामा आपसे हाथ जोड़कर यह अपील कर रहा है कि जितनी जरूरी है उतनी बिजली जलाओ, लेकिन फालतू बिजली न जले इसका इंतजाम करो । मैंने आदत बनाई है, अपने से शुरू किया है, सीएम हाउस में, मैंने अपने मंत्रियों को भी कहा था आप लोग भी कटौती करो, सीएम हाउस में एक भी बल्ब फालतू नहीं जलने देता हूँ । बंद करने के लिए दूसरे से नहीं कहता, मैं खुद बिजली का बल्ब बुझाता हूँ, खुद खटका दबाता हूँ, खुद करता हूँ मैं, मैं जब योगा प्राणायाम करता हूँ तो बल्ब क्यों जलना चाहिए, उसकी जरूरत नहीं है, नहाते हैं बाथरूम में उजाला है, जबरन हम बिजली क्यों जलाएँ, अगर थोड़ी-थोड़ी बिजली भी बचाएँ तो 21 हजार करोड़ रूपए में से हम 10 -11 हजार करोड़ रूपए बचा सकते हैं और इसीलिए आज के कार्यक्रम में ऊर्जा साक्षरता अभियान शुरू कर रहे हैं । मतलब हम फालतू बिजली नहीं जलाएंगे, हम बिजली बचाने का काम करेंगे, अगर हमने बिजली बनाई, बचाई तो जरूरतमंद किसान को और ज्यादा बिजली दे पाएंगे। फालतू बिजली नहीं जलेगी और किसान भाई भी तय करें के कुए की मोटर हो, चाहे ट्यूबवेल का पंप हो, जितना जरूरी है वह तो चलेगा, लेकिन उसके अलावा फालतू बिजली नहीं जलेगी । इससे अपने देश को फायदा होगा, इससे अपनी जनता को फायदा होगा, इससे अपने मध्यप्रदेश को फायदा होगा। एलईडी बल्ब जैसी जो व्यवस्था प्रधानमंत्री जी ने अभियान चलाया के ज्यादा खपत वाला लाइट हम क्यों जलाये एलईडी बल्ब जैसे ही व्यवस्था करते हैं तो बिजली और ज्यादा बचती है । इसलिए उर्जा साक्षरता का मतलब है बिजली बचाएंगे, फालतू बिजली नहीं जलाएंगे । तो बताओ आप अपने घरों में बिजली बचाएंगे, जोर से... बिजली बचाएंगे, हम बिजली बचाएंगे फालतू क्यों जलाएँ, जितनी जरूरी है उतनी जरूर जलाएँ, यह हमारा ऊर्जा साक्षरता अभियान है । मैं खुद भी बिजली बचाऊंगा, आप सबसे भी अपील करता हूँ कि बिजली बचाएँ बिजली बचाने का संकल्प लेने के लिए दोनों हाथ ऊपर उठाकर, दोनों मुट्ठी बांध के मेरे साथ भारत माता की जय बोले, भारत माता की.. जय । आर.के. सिंह साहब हम बिजली बचाएंगे भी, बिजली बनाएंगे भी, ताकि जरूरतमंद को मिल सके और सोलर की बिजली बनाएंगे, आपके आगमन पर हमने यह संकल्प लिया है ।

प्रधानमंत्री जी, केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश की सरकार एक नहीं अनेकों सौगाते दे रही है । कल प्रधानमंत्री जी ने कैबिनेट में फैसला किया के गरीबों को नवंबर तक फ्री में राशन दिया जा रहा था, अब वह मार्च 2022 तक

दिया जाएगा । ताली बजा के स्वागत कीजिए प्रधानमंत्री जी का, देखो रे भैया भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, अपनी सरकार ने मध्यप्रदेश में 1 रूपए किलो गेहूँ चावल देना शुरू किया, आप बताओ कभी कांग्रेस ने खिलाया था 1 रुपये किलो गेहूँ, अरे जोर से ही बताओ खिलाया था क्या, 1 रूपए किलो गेहूँ, चावल अलग, वो अलग मिलेगा और यह 5 रुपये किलो प्रधानमंत्री जी का मार्च तक अलग मिलेगा। देखो रे मेरे बहनों और भाइयों, रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई, दवाई और रोजगार का इंतजाम हमारा संकल्प है, रोटी सबको मिले, इसलिए मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना और प्रधानमंत्री जी नि:शुल्क राशन दे रहे हैं । मध्यप्रदेश की धरती पर कोई गरीब भूखा नहीं सोएगा, कोई की थाली खाली नहीं रहेगी, यह संकल्प भारतीय जनता पार्टी की सरकार का है।

कई नाम नहीं थे, जो गरीब थे, लेकिन कहीं नाम छूट गए थे, तो हमने तय किया 37 लाख गरीबों के नाम जोड़ के उनकी पात्रता पर्ची बनाई, ताकि उनको भी सस्ता अनाज मिल सके, खाने की कोई कमी न हो । आज मैं एक बात और कहना चाहता हूँ प्रधानमंत्री जी ने तय किया के कोई भी गरीब बिना मकान के नहीं रहेगा, जो कच्चे घरों वाले हैं उनके पक्के मकान बनाए जाएंगे, हम लगातार बना रहे हैं, बनाने का काम कर रहे हैं, लेकिन बीच में एक समस्या और आई मुझे कई लोगों ने कहा मामा हमारे पास तो रहने की जगह ही नहीं है । मैंने कहा कहाँ रह रहे हो, बोले एक ही घर में, बाप के चार बेटा हो गए, उनकी शादी हो गई तो पत्नियाँ उनके फिर 4 बच्चे हो गए एक- एक घर में 20-20, 25-25 आदमी रह रहे हैं, बताओ कैसे रहे और इसीलिए हमने क्रांतिकारी योजना बनाई, मुख्यमंत्री भू-आवासीय अधिकार योजना और उस पर हमने यह तय किया के एक घर में अगर एक से ज्यादा परिवार रह रहा हो, एक से ज्यादा का मतलब पति, पत्नी और उसके बच्चे अगर एक परिवार से ज्यादा रह रहे हो और घर छोटा सा हो ,तो आप चिंता मत करना ऐसे गरीबों को पट्टा देकर रहने की जमीन का मालिक बनाया जाएगा, बोलो बनाना चाहिए कि नहीं । मैं यहां कलेक्टर को भी मैं निर्देश दे रहा हूँ तेजी से जगह चिन्हित करें, हम सरकारी जमीन लेंगे, गरीबों को रहने की जगह उपलब्ध कराएंगे और अगर कहीं सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होगी तो मामा खरीद कर भी जमीन देगा। चिंता मत करना रहने की जमीन के बिना कोई नहीं रहेगा। पहले रहने की जमीन का प्रबंध, उसके बाद उस पर मकान बनाने का इंतजाम, यही तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और मेरे भांजे-भांजियों तुम चिंता मत करना अब मामा फिर से आ गया है। मैंने कई योजनाएँ बनाई थी बीच में 15 महीना बंद हो गई, हमारी कई योजनाएँ कमलनाथ जी ने बंद कर दी थी, अब मैं तुमसे कहने आया हूँ किसी भी वर्ग के बेटा-बेटी हो, वो सामान्य वर्ग के हो ,वो पिछड़े वर्ग के हो, अनुसूचित जाति, जनजाति के हो, अगर वह निर्धन है, गरीब परिवारों से आते हैं, मध्यमवर्गीय क्लास से आते हैं तो आप चिंता मत करना। आप में प्रतिभा है, क्षमता है और योग्यता है तो तुम्हारे एडमिशन नीट के माध्यम से या जेईई मेंस के माध्यम से या अन्य प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम कहीं भी होगा तो फ़ीस चाहे कितनी भी हो 8 लाख रुपए साल, प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की होती है, वह फीस बताओ बच्चे भर सकते हैं क्या, तो वह भी कौन भरवाएगा जोर से बताओ कौन भरवाएगा, मामा भरवाएगा। लेकिन एक वचन एक दो ठीक से पढ़ोगे, चिंता मत करो, पढ़ते जाओ और बढ़ते जाओ |

पढ़ाई के साथ-साथ दवाई का इंतजाम भी कोरोना में महा संकट जो हमने झेला है, हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि कितनी परेशानी हुई है और इसलिए मैं प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दूंगा जो योजना बनी आयुष्मान भारत उसके लिए, आयुष्मान भारत योजना में सबको कार्ड बना कर के दे रहे हैं, यहाँ कितने कार्ड बने, कलेक्टर बताएँ, आयुष्मान भारत योजना में सवा तीन लाख कोई रह तो नहीं गए, देखो भाई रह गए हो तो सबके कार्ड बनना है। यहाँ हमारे जनप्रतिनिधि इंदर जी और प्रभारी मंत्री, सांसद जी चाहे वह हमारे महेंद्र जी हो, रोडमल जी हो, भैया ढूंढ-ढूंढकर बनाओ रे, अपनी सरकार है, कोई पात्र शेष न रह जाए और इसका यह फायदा होगा कि भगवान न करें कि इसका लाभ लेने की नौबत आए, लेकिन 5 लाख तक का इलाज अगर हम बीमार हो गए तो प्राइवेट अस्पताल में भी फ्री में करवाया जाएगा, ताकि गरीब और सामान्य मध्यम वर्गीय भाई-बहन परेशान न हो, इलाज की बेहतर व्यवस्था हो जाए, यहाँ महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप है क्या आजीविका मिशन वाली बहने आई है क्या, अगर महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप आजीविका मिशन समूह की बहने हो तो हाथ ऊपर उठाओ।

सुनो भैया एक सवाल है रोजगार का, मेरे बेटा-बेटियों एक तो सरकारी भर्ती में जो प्रतिबंध था वह प्रतिबंध भी हटा लिया गया है। एक लाख नौकरियाँ 1 साल के अंदर बच्चों को दी जाएगी, उसकी प्रक्रिया चालू कर दी है। लेकिन सरकारी नौकरियों से पूरा नहीं पड़ेगा, इसलिए सरकारी नौकरियों के साथ-साथ प्राइवेट में भी रोजगार के अवसर, अभी सिंह साहब पूछ रहे थे आईटीआई के बारे में, हमने आईटीआई का जाल बिछाया है, बच्चों के हाथ में कौशल लाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की अनेकों योजनाएँ, प्रधानमंत्री रोजगार सर्जन कार्यक्रम है, मुद्रा योजना है, स्ट्रीट वेंडर योजना है, लेकिन इनके साथ-साथ एक योजना और हमने बनाई, मुख्यमंत्री युवा उद्यम क्रांति योजना, इस योजना में 1 लाख से लेकर 50 लाख रुपए तक का लोन बैंक देगा और लोन वापस करने की गारंटी भारतीय जनता पार्टी की सरकार लेगी, हम लेंगे, बेटा-बेटियों और उस लोन में जो इंटरेस्ट है ब्याज है, उस ब्याज में भी 3% ब्याज मामा भरवाएगा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार भरवाएगी। यह योजना इसलिए बनाई के बच्चों के पास स्व-रोजगार के विकल्प मौजूद रहे, ताकि वह अपना काम-धंधा, छोटा-मोटा उद्योग खुद प्रारंभ कर सकें, नौकरी मांगने वाला नहीं, वो नौकरी देने वाला बन जाए। इस माध्यम से अपने भी काम-धंधे शुरू करो, उसके साथ-साथ बड़े उद्योग, एमएसएमई मतलब छोटे-छोटे उद्योग भी आएँ, उसके लिए भी हम प्रयास कर रहे हैं। जो छोटे-छोटे व्यापारी हैं, छोटे-छोटे फुटपाथ पर सामान बेचने वाले, चाय का ठेला वाले, पान की गुमटी वाले, फल बेचने वाले, सब्जी बेचने वाले, यह स्ट्रीट वेंडर है इनके लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, स्ट्रीट वेंडर योजना कस्बों के लिए बनाई हैं। हमने लोन, शहर में ढाई हजार को दे दिया, अब यह देखना भाई मैं सबको योजना बता रहा हूँ और कलेक्टर से भी पूछ रहा हूँ 29 को हिसाब-किताब लेने वाला हूँ सारे कलेक्टर से, मेरी कॉन्फ्रेंस है। स्ट्रीट वेंडर योजना इसलिए के छोटा-मोटा काम धंधा अगर हमारा चलता है तो किसी से ऊँची ब्याज की दरों पर कर्जा न लेना पड़े, इसमें 10 हजार रुपए एकमुश्त मिलता है और 10 हजार वापस करें किस्तों में तो फिर 20 हजार मिल जाता है, 20 हजार वापस कर दे तो 50 हजार मिल जाता है। रोजगार की गाड़ी पटरी पर आ जाए और आजीविका मिशन की मेरी बहनों हर महीने तुम्हारे खाते में अलग-अलग समूह है एक साथ सब में नहीं डालते, सब के खाते में नहीं डालते, लेकिन समूहों को सशक्त करने की कोशिश कर रहे हैं। अभी हमने देखा

समूह की बहनों ने कई तरह की चीजें बनाई थी। खाने की भी कई चीजें बनाई थी, उस समय मेरी इच्छा तो हो रही थी कि थोड़ा बहुत खा लो, लेकिन समय कम था, तो मैं खा नहीं पाया, लेकिन मैं अपनी बहनों को आश्वस्त करना चाहता हूँ, इस साल ढाई हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि बैंक आपको देंगे, ताकि काम-धंधे, रोजगार ठीक से चल सके। मेरी जितनी बहने गरीब परिवार से आती है उनसे मैं कहना चाहता हूँ जो समूह से जुड़ गई है, जो नहीं जुड़ी उनसे भी कहना चाहता हूँ स्व-सहायता समूह से जरूर जुड़े, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण करना है और हमारा टारगेट होगा कि एक बहन की आमदनी कम से कम 10 हजार रुपए महीना हो जाए। इसलिए स्कूल में यूनिफॉर्म सिलने का काम यहाँ भी दिया कि नहीं बहनों को, भोजन का काम और तो और जो बड़े-बड़े इंडस्ट्री वाले जो भोजन डिब्बा बंद बनाते थे, अब ठेकेदारों को नहीं हमने तय किया महिला स्व-सहायता समूह इसके संघ बनाएंगे, उनके अलग से कारखाने होने जा रहे हैं, ताकि बहनों की आमदनी बढ़ सके। मेरे प्रिय बहनों और भाइयों आपकी जिंदगी में कैसे खुशी के पल आए, गरीबी दूर हो, बेटा-बेटी पढ़ें और आगे बढ़ें, आम आदमी का कल्याण हो, इसके लिए एक नहीं अनेकों योजनाएँ हैं, आज उनके विस्तार में मैं नहीं जा रहा। मैं इतना जरूर कहता हूँ कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना भी अब जल्दी प्रारंभ कर दी जाएगी, आप चिंता न करें बुजुर्गों को फिर से तीर्थ यात्रा करवानी है कि नहीं अरे जोर से बताओ करवानी है कि नहीं... तो वह योजना भी हम प्रारंभ करने वाले हैं, आप के कल्याण के लिए सरकार है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार, जो दसों दिशाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में काम कर रही है। आप सब आज एक कार्यक्रम में आए, मैं जानता हूँ कि सीधे जनता को इतना आकर्षक नहीं लगता के सोलर पॉवर प्लांट लग रहा है, लेकिन ये आपके कल्याण के कार्यक्रम है, धरती को बचाने का कार्यक्रम है, आप को बिजली देने के जो नए सोत्र हैं उन से बिजली बनाने का कार्यक्रम है। आप आए इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूँ, लेकिन भूलना मत बिजली बचाएंगे, इसमें कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, टीका लगाएंगे और 1 साल में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाएंगे। मामा तो रोज पेड़ लगा रहा है पता है कि नहीं, अरे पता है कि नहीं, जब मामा रोज एक पेड़ लगा रहा है तो तुम 1 साल में एक पेड़ लगाओगे आधे ही बोल रहे हैं 25% ही बोले, अरे साल में रोज नहीं कह रहा, साल में एक पेड़ लगाओगे तो साल में एक पेड़ खुशी के मौके पर जरूर लगाना, आइए हम सब संकल्प करें के प्रधानमंत्री के सपनों के भारत को गढ़ेंगे, बिजली भी बचाएंगे, पेड़ भी लगाएंगे और टीका लगवा कर अपने आप को सुरक्षित करेंगे, एक बार फिर दोनों हाथ ऊपर उठा कर के दोनों मुट्ठी बांधकर हम यह संकल्प लेंगे, भारत माता की जय बोल कर, बोलिए भारत माता की..जय |